

29-9-2016

पतावली चेष्टा दुर्ती

शर्ची व उरुडे अधिका कर्त वार-वार कावामे
लगाई गयी। कावामे-पापलप से उपाधि
नही हुए है। अतः शर्ची का शर्ची काय हाकी
काय चैरनी से शर्ची सिद्ध जाता है।
पतावली कर्त कर्त से कर्त लेता कर्त कर्त
साथ सम्पन्न रहे।

६९
(पुस्तक काय शर्ची)
RAS

उपरोक्त अधिका
कावामे